मन मन्‍दिर में बसनेवाला -2

यीशु तु है निराला -2

1. जिसके मन में तू जन्‍म ले

अविनाशी आनंद से भर दे

आदि अनन्‍त और प्रीत रीत की

जल जायेगी ज्‍वाला -2

2. मूसा को तूने पास बुलाया

स्‍वर्गलोक का भवन दिखाया

महा पवित्रा स्‍थान में रहकर

आप ही उसे सम्‍भाला -2

3. पाप में दुनियाँ डूब रही थी

परम पिता से दूर हुई थी

महिमा अपनी आप ही तज कर

रूप मनुष्‍य ले लाया -2

4. प्रेम हमें अनमोल दिखाया

प्रेम के खातिर रक्‍त बहाया

क्रूस पे अपनी जान को देकर

मौत से हमे छुड़ाया -2